Literacy for a Billion

Movie: BomBay (1995)
Year: 1995

Song: Kehna Hi Kya
Lyricist: Mehboob Kotwal

गुमसुम गुमसुम गुपचुप
गुमसुम गुपचुप
गुमसुम गुमसुम गुपचुप
गुमसुम गुपचुप

हलचल हलचल हो गई तेरी
होंठ हैं तेरे चुप
हलचल हलचल हो गई तेरी
बैठे हैं गुपचुप

प्यारे प्यारे चेहरे ने
करते ही इशारा
देखा तेरी आँखों ने है
सपना कोई प्यारा
हमसे गोरी ना तू शर्मा
कह दे हमसे ज़रा
हमसे गोरी ना तू शर्मा
कह दे हमसे ज़रा

कहना ही क्या ये नैन इक
अनजान से जो मिले
चलने लगे मोहब्बत के
जैसे ये सिलसिले
अरमाँ नए ऐसे दिल में खिले
जिनको कभी मैं ना जानूँ
वो हमसे हम उनसे
कभी ना मिले
कैसे मिले दिल ना जानूँ
अब क्या करें
क्या नाम लें
कैसे उन्हें मैं पुकारूँ

कहना ही क्या ये नैन इक
अनजान से जो मिले
चलने लगे मोहब्बत के
जैसे ये सिलसिले
अरमाँ नए ऐसे दिल में खिले
जिनको कभी मैं ना जानूँ
वो हमसे हम उनसे
कभी ना मिले
कैसे मिले दिल ना जानूँ
अब क्या करें
क्या नाम लें
कैसे उन्हें मैं पुकारूँ

पहली ही नज़र में
कुछ हम कुछ तुम
हो जाते हैं यूँ गुम
नैनों से बरसे
रिमझिम रिमझिम
हमपे प्यार का सावन
शर्म थोड़ी थोड़ी हमको
आए तो नज़रें झुक जाएँ
सितम थोड़ा थोड़ा हमपे
शोख़ हवा भी कर जाए
ऐसी चले आँचल उड़े
दिल में एक तूफ़ान उठे
हम तो लुट गए खड़े ही खड़े

कहना ही क्या ये नैन इक
अनजान से जो मिले
चलने लगे मोहब्बत के
जैसे ये सिलसिले
अरमाँ नए ऐसे दिल में खिले
जिनको कभी मैं ना जानूँ
वो हमसे हम उनसे
कभी ना मिले
कैसे मिले दिल ना जानूँ
अब क्या करें
क्या नाम लें
कैसे उन्हें मैं पुकारूँ
गुमसुम गुमसुम गुपचुप
गुमसुम गुपचुप
गुमसुम गुमसुम गुपचुप
गुमसुम गुपचुप
हलचल हलचल हो गई तेरी
होंठ हैं तेरे चुप
हलचल हलचल हो गई तेरी
बैठे हैं गुपचुप

प्यारे प्यारे चेहरे ने
करते ही इशारा
देखा तेरी आँखों ने है
सपना कोई प्यारा
हमसे गोरी ना तू शर्मा
कह दे हमसे ज़रा
हमसे गोरी ना तू शर्मा
कह दे हमसे ज़रा

इन होंठों ने माँगा सरगम, सरगम
तू और तेरा ही प्यार है
आज ढूँढे है जिसका हरदम, हरदम
तू और तेरा ही प्यार है
महफ़िल में भी तनहा है
दिल ऐसे दिल ऐसे
तुझको खो ना दे डरता है
ये ऐसे ये ऐसे
आज मिली ऐसी खुशी
झूम उठी दुनिया ये मेरी
तुमको पाया तो पाई ज़िन्दगी

कहना ही क्या ये नैन इक
अनजान से जो मिले
चलने लगे मोहब्बत के
जैसे ये सिलसिले
अरमाँ नए ऐसे दिल में खिले
जिनको कभी मैं ना जानूँ
वो हमसे हम उनसे
कभी ना मिले
कैसे मिले दिल ना जानूँ
अब क्या करें
क्या नाम लें
कैसे उन्हें मैं पुकारूँ
कहना ही क्या ये नैन इक
अनजान से जो मिले
चलने लगे मोहब्बत के
जैसे ये सिलसिले
कहना ही क्या

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.